



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 530]

No. 530]

नई दिल्ली, बुध्स्पतिवार, दिसम्बर 13, 1979/अग्राहायण 22, 1901
NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 13, 1979/AGRAHAYANA 22, 1901

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके ।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation.

उद्योग मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)

प्रादेश

नई दिल्ली, 13 दिसम्बर, 1979

का०प्रा० 798(अ).—केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और
विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-क द्वारा
प्रस्तुत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग) के प्रादेश सं० का०प्रा० 840(अ०)/18-क/
उ०वि०वि०प्रा०/77, तारीख 15 दिसम्बर, 1977 (तत्पश्चात् यथा
संशोधित) में निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त प्रादेश में, "अध्यक्ष" और "सदस्य" शीर्षकों और उनके अधीन
प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात्:—

"अध्यक्ष :

1. श्री ए० बी० दास गुप्त,
127, जोधपुर पार्क,
कलकत्ता-700068 ।

सदस्य :

2. श्री सी० बी० एस० मणि,
संयुक्त सचिव,
रसायन और उर्वरक विभाग,
नई दिल्ली ।

3. श्री बिरेन्द्र कुमार,
संयुक्त सचिव और वित्त सलाहकार,
रसायन और उर्वरक विभाग,
नई दिल्ली ।
4. डा० पी० धार० गुप्त,
सलाहकार (औषधि),
रसायन और उर्वरक विभाग,
नई दिल्ली ।
5. श्री के० के० रे,
प्रबन्धक, भारतीय औद्योगिक पुनर्निर्माण निगम,
कलकत्ता ।
6. डा० जे० एम० सहगल,
प्रबन्ध निदेशक,
स्मिथ स्टेनिस्ट्रीट फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड,
कलकत्ता ।
7. डा० एस० रामचन्द्रन,
मुख्य कार्यपालक,
बंगाल इम्यूनिटी कम्पनी,
कलकत्ता ।
मुख्य कार्यपालक (पूर्ण कालिक) :
8. श्री पी० के० कट्टा,
बंगाल कैमिकल एंड फार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड,
कलकत्ता ।

सदस्य (वित्त—पूर्ण-कालिक) :

9. श्री एस० बालचन्द्रन,
अपर वित्त सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी,
इण्डियन ड्रग्स एण्ड फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड,
गुर्गांव।"

[फा० सं० 4/26/76-सी०यू०सी०]

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Industrial Development)

ORDERS

New Delhi, the 13th December, 1979

S.O. 798(E).—In exercise of the powers conferred by section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following further amendment in the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 840(E)/18A/IDRA/77 dated the 15th December, 1977, (as subsequently amended), namely :—

In the said Order, for the headings "Chairman" and "Members" and the entries thereunder, the following shall be substituted, namely :—

"Chairman :

1. Shri A. B. Das Gupta,
127, Jodhpur Park,
Calcutta-700068.

Members :

2. Shri C. V. S. Mani,
Joint Secretary,
Department of Chemicals and Fertilizers,
New Delhi.
3. Shri Virendra Kumar,
Joint Secretary and Financial Adviser,
Department of Chemicals and Fertilizers,
New Delhi.
4. Dr. P. R. Gupta,
Adviser (Drugs),
Department of Chemicals and Fertilizers
New Delhi.
5. Shri K. K. Ray,
Manager, Industrial Reconstruction
Corporation of India,
Calcutta.
6. Dr. J. M. Sehgal,
Managing Director,
Smith Stanistreet Pharmaceuticals Limited,
Calcutta.
7. Dr. S. Ramachandran,
Chief Executive,
Bengal Immunity Company,
Calcutta.

Chief Executive (Full-time) :

8. Shri P. K. Rudra,
Bengal Chemical and Pharmaceutical Works Limited,
Calcutta.

Member (Finance-Full-time) :

9. Shri S. Balachandran,
Additional Financial Adviser and
Chief Accounts Officer,
Indian Drugs and Pharmaceuticals Limited,
Gurgaon."

फा० सं० 799(अ).—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग विकास और विनियमन अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-बख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० फा० सं० 844 (अ)/18-बख/उ०वि०प्र०/72, तारीख 17 दिसम्बर, 1977 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) घोषित किया था कि उक्त आदेश के जारी होने की तारीख से ठीक पूर्व प्रवृत्त ऐसी सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंचाटों, स्थायी आदेशों या अन्य लिखतों (उनसे भिन्न जो बैंकों और वित्तीय संस्थाओं के प्रतिभूत वायित्वों से सम्बन्धित हैं) का प्रवर्तन, जिनका संगणक कैमिकल एण्ड फार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू हों, एक वर्ष की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, श्राव्यताएं और वायित्व उक्त अवधि तक निलम्बित रहेंगे;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० फा० सं० 711(अ), तारीख 15 दिसम्बर, 1978 द्वारा उक्त आदेश की अवधि... तक के लिए विस्तारित कर दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 14 दिसम्बर, 1980 तक के लिए और विस्तारित कर दी जानी चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-बख की उपधारा (2) के साथ पठित, उपधारा (1) द्वारा दत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 14 दिसम्बर, 1980 तक के लिए और विस्तारित करती है।

[फा० सं० 4/26/76-सी०यू०सी०]

S.O. 799(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 844(E)/18FB/IDRA/72 dated the 17 December, 1977, (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the date of issue of the said Order (other than those relating to secured liabilities to banks and financial institutions) to which the industrial undertaking known as Bengal Chemical and Pharmaceutical Works Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas by the order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 711(E) dated the 15th December, 1978, the duration of the said Order was extended for a further period

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 14th December, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1), read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (6 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order by a further period upto the 14th December, 1980.

का०आ० 800(प्र).—केन्द्रीय सरकार ने, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-खख की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 21(प्र)/18-खख/उ०वि०वि०प्र०/78, तारीख 16 जनवरी, 1978 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), घोषित किया या कि 15 दिसम्बर, 1977 के पूर्व किए गए और राजपत्र में उक्त आदेश के प्रकाशन की तारीख के ठीक पूर्व प्रयुक्त, तथा ऐसे बैंकों और वित्तीय संस्थाओं से सम्बन्धित, जिनका बंगाल कैमिकल एण्ड फार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम को लागू हों, सभी संविदाओं, सम्पत्ति हस्तांतरण पत्रों, करारों, व्यवस्थापनों, पंजावों, स्थायी आवेशों या अन्य लिखतों का प्रवर्तन, उक्त आदेश के प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए निवन्धित रहेगा तथा उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोद्भूत या उद्भूत सभी अधिकार, विशेषाधिकार, बाध्यताएं और दायित्व उक्त अवधि तक निवन्धित रहेंगे;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 28(प्र), तारीख 15 जनवरी, 1979 द्वारा उक्त आदेश की अवधि 14 दिसम्बर, 1979 तक के लिए विस्तारित कर दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त आदेश की अवधि 14 दिसम्बर, 1980 तक के लिए और विस्तारित कर दी जानी चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-खख की उपधारा (2) के साथ पठित, उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, उक्त आदेश की अवधि 14 दिसम्बर, 1980 तक के लिए और विस्तारित करती है।

[का० सं० 4/26/76-सी०यू०सी०]

S.O. 800(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 21(E)/18FB/IDRA/78 dated the 16th January, 1978 (hereinafter referred to as the said Order), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), declared that the operation of all the contracts, assurances of property agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments entered into before the 15th December, 1977 and in force immediately before the date of publication of the said order in the Official Gazette, and relating to banks and financial institutions to which the industrial undertaking known as Bengal Chemical and Pharmaceutical Works Limited, Calcutta, is a party or which may be applicable to the said industrial undertaking shall remain suspended for a period of one year from the date of publication of the said Order and that all the rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date shall remain suspended for the said period;

And whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) S.O. No. 28(E) dated the 15th January, 1979, the

duration of the said Order was extended for a further period upto the 14th December, 1979;

And whereas the Central Government is satisfied that the duration of the said Order should be extended for a further period upto the 14th December, 1980;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Order by a further period upto the 14th December, 1980.

[F. No. 4/26/76-Cuc]

का०आ० 801(प्र).—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का०आ० 840(प्र)/18-ख(उ०वि०वि० प्र०/77, तारीख 15 दिसम्बर, 1977 द्वारा (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है), बंगाल कैमिकल एण्ड फार्मास्यूटिकल वर्क्स लिमिटेड, कलकत्ता, नामक औद्योगिक उपक्रम का सम्पूर्ण प्रबन्धक, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 के अधीन, 15 दिसम्बर, 1977 से दो वर्ष की अवधि के लिए ग्रहण कर लिया गया था;

और केन्द्रीय सरकार की राय है कि लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम का उक्त प्रबन्ध एक वर्ष की और अवधि के लिए बना रहना चाहिए;

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 की उपधारा (2) के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह निवेदन देती है कि उक्त आदेश एक वर्ष की और अवधि के लिए प्रभावी बना रहेगा।

[का० सं० 4/26/76-सी०यू०सी०]

ब० राय, संयुक्त सचिव।

S.O. 801(E).—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 840(E)/18A/IDRA/77 dated the 15th December, 1977, (hereinafter referred to as the said Order), the management of the whole of the industrial undertaking known as Bengal Chemical and Pharmaceutical Works Limited, Calcutta, was taken over under Section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of two years from the 15th December, 1977;

And whereas the Central Government is of opinion that it is expedient in the public interest that the management of the said industrial undertaking should continue for a further period of one year;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by the proviso to sub-section (2) of section 18A of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of one year.

[F. No. 4/26/76-Cuc]

B. ROY, Joint. Secy.

